**Q.1) सिंधु घाटी सभ्यता के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

1. हड़प्पावासियों द्वारा उत्पादित कपास को यूनानियों द्वारा 'सिंधन' (*Sindon*) के रूप में जाना जाता था।
2. प्रचलन में कोई धात्विक मुद्रा नहीं थी तथा व्यापार वस्तु विनिमय के माध्यम से आयोजित किया गया था।
3. हड़प्पा वासियों ने बड़े पैमाने पर पशुओं को पालतू बनाया था।

**ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?**

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

**Q.1) Solution (d)**

| कथन 1 | कथन 2 | कथन 3 |
|---|---|---|
| सत्य | सत्य | सत्य |
| हड़प्पा सभ्यता कपास का उत्पादन करने वाली सबसे पहले ज्ञात सभ्यता थी। यह यूनानियों द्वारा सिंध क्षेत्र में होने के कारण 'सिंधन' के रूप में जाना जाता है। सिंधु मैदान में, लोगों द्वारा नवंबर में बाढ़ के मैदानों में बीज बोए जाते थे, जब बाढ़ का पानी वापस चला जाता था, अगले बाढ़ के आगमन से पहले अप्रैल में गेहूं और जौ की अपनी फ़सल काट ली जाती थी। उन्होंने स्वयं की आवश्यकता हेतु पर्याप्त खाद्यान्न का उत्पादन किया और अधिशेष खाद्यान्न को अन्न भंडार में रखा जाता था। | हड़प्पा व्यापार नेटवर्क और अर्थव्यवस्था के प्रमुख पहलू - उन्होंने आंतरिक और बाह्य व्यापार किया। प्रचलन में कोई धात्विक मुद्रा नहीं थी तथा व्यापार वस्तु विनिमय के माध्यम से आयोजित किया गया था। अंतर्देशीय परिवहन मुख्य रूप से बैलगाड़ी द्वारा किया जाता था। | हड़प्पा वासियों ने बड़े पैमाने पर पशुओं को पालतू बनाया। मवेशियों (बैल, भैंस, बकरी, कूबड़ वाले बैल, भेड़, सूअर, गधे, ऊंट) के अलावा, बिल्लियों और कुत्तों को भी पालतू बनाया गया था। घोड़े को नियमित रूप से इस्तेमाल नहीं किया गया था लेकिन हड़प्पावासी हाथी और गैंडे से अच्छी तरह से परिचित थे। यह ध्यान रखना उचित है कि हड़प्पा संस्कृति घोड़े पर केंद्रित नहीं थी। |

**Q.2) भारत में धार्मिक प्रथाओं के संदर्भ में, "मुर्तिपुजक" (Murtipujaka) संप्रदाय किससे संबंधित हैं**

a) बौद्ध धर्म
b) जैन धर्म
c) वैष्णव धर्म
d) शैव धर्म

**Q.2) Solution (b)**

- जैन धर्म संसार के सबसे प्राचीन धर्मों में से एक है। जैन धर्म को श्रमण धर्म, निर्ग्रंथ धर्म आदि के रूप में भी जाना जाता था, यह किसी अन्य धर्म की शाखा नहीं है, बल्कि अलग-अलग समयों के दौरान इन विभिन्न नामों से पहचाना जाने वाला एक स्वतंत्र धर्म है।

- इनके तीर्थंकरों ने जिन भी कहा है। एक जिन के अनुयायी को जैन कहा जाता है और जिन के अनुयायियों के नाम पर धर्म को जैन धर्म कहा जाता है। प्रत्येक तीर्थंकर जैन क्रमिक व्यवस्था को पुनर्जीवित करता है। जैन व्यवस्था को जैन संघ के नाम से जाना जाता है। वर्तमान जैन संघ को भगवान महावीर द्वारा पुन: स्थापित किया गया था, जो वर्तमान समय अवधि के 24 वें और अंतिम तीर्थंकर थे।
- जैन व्यवस्था दो प्रमुख संप्रदायों में विभाजित थी- दिगंबर संप्रदाय और श्वेतांबर संप्रदाय।
- दिगंबर संप्रदाय, हाल के शताब्दियों में, निम्नलिखित उप-संप्रदायों में विभाजित हो गया है:
  प्रमुख उप-संप्रदाय:

1. बिसपंथ (Bisapantha)
2. तेरापंथ (Terapantha)
3. तरणपंथ या समयपंथ (Taranapantha or Samaiyapantha)
   लघु उप संप्रदाय:

1. गुमनपंथ (Gumanapantha)
2. तोतापंथ (Totapantha)

दिगंबर संप्रदाय की तरह, श्वेतांबर संप्रदाय को भी तीन मुख्य उप-संप्रदायों में विभाजित किया गया है:

1. **मूर्तिपूजक (Murtipujaka),**
2. स्थानकवासी (Sthanakvasi), और
3. तेरापंथी (Terapanthi)

**Q.3) त्रिपिटक के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

1. विनय पिटक में संघ के भिक्षुओं और भिक्षुणियों के लिए नियम थे।
2. सुत्त पिटक में संवाद रूप में विभिन्न सिद्धांत संबंधी मुद्दों पर बुद्ध के प्रवचन शामिल हैं।
3. अभिधम्म पिटक ग्रंथों को 'बुद्धवचन' या 'बुद्ध के शब्द' के रूप में भी जाना जाता है।

**ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?**

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

**Q.3) Solution (a)**

- बौद्ध धर्म की सभी शाखाओं में उनके मुख्य धर्मग्रंथों के हिस्से के रूप में त्रिपिटक है, जिसमें तीन पुस्तकें हैं - सुत्त (पारंपरिक शिक्षण), विनय (अनुशासनात्मक संहिता), और अभिधम्म (नैतिक मनोविज्ञान)।

| कथन 1 | कथन 2 | कथन 3 |
|---|---|---|
| सत्य | सत्य | असत्य |
| विनय पिटक (अनुशासनात्मक टोकरी): इसमें संन्यासी के भिक्षुओं और भिक्षुणियों के लिए नियम (संघ) हैं। इसमें पत्तिमोक्ख भी शामिल है - इनके लिए मठवासी अनुशासन और | सुत्त पिटक (प्रवचन सूत्र / टोकरी): सुत्त पिटक में संवाद रूप में विभिन्न सिद्धांत संबंधी मुद्दों पर बुद्ध के प्रवचन शामिल हैं, क्योंकि यह उन ग्रंथों को संदर्भित करता है जिनमें माना जाता है कि बुद्ध | अभिधम्म पिटक (उच्च शिक्षण की टोकरी): इसमें सारांश, प्रश्न और उत्तर, सूची आदि के माध्यम से सुत्त पिटक की शिक्षाओं का गहन अध्ययन और व्यवस्था शामिल है। |

| | | |
|---|---|---|
| प्रायश्चितों के विरुद्ध पापों की एक सूची है। संन्यासी नियमों के अलावा, विनय ग्रंथों में सिद्धांतवादी अनुष्ठान, अनुष्ठान ग्रंथ, जीवनी कथाएँ, और 'जातक' या 'जन्म कथाओं' के कुछ तत्व शामिल हैं। | ने स्वयं कहा था। कुछ सूत्र के अपवाद के साथ, इस पाठ का अधिकार सभी बौद्ध स्कूलों द्वारा स्वीकार किया जाता है। इन प्रवचनों को उस तरीके के आधार पर व्यवस्थित किया गया था जिसमें उन्हें वितरित किया गया था। | |

**Q.4) महायान बौद्ध धर्म की निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार करें:**

1. बुद्ध की व्याख्या एक पारलौकिक व्यक्ति के रूप में की गई थी, जो सभी बनने की आकांक्षा कर सकते थे।
2. यह बुद्ध की स्वर्गिकता (heavenliness) में विश्वास रखता है, न कि बुद्ध की मूर्ति पूजा में।
3. बोधिसत्व की अवधारणा बौद्ध धर्म के इस संप्रदाय के तहत विकसित की गई है।

**ऊपर दी गई कौन सी विशेषताएँ सही हैं / हैं?**

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

**Q.4) Solution (c)**

| कथन 1 | कथन 2 | कथन 3 |
|---|---|---|
| सत्य | असत्य | सत्य |
| महायान एक दार्शनिक आंदोलन है जिसने सार्वभौमिक मोक्ष की संभावना की घोषणा की है, जो अनुयायियों को करुणामय प्राणियों के रूप में सहायता प्रदान करता है जिन्हें बोधिसत्व कहा जाता है। इसका लक्ष्य सभी प्राणियों के लिए बुद्धत्व (बुद्ध बनना) की संभावना को खोलना था। बुद्ध केवल एक ऐतिहासिक व्यक्ति बनकर रह गए, बल्कि एक पारलौकिक व्यक्ति के रूप में व्याख्या की गई, जो सभी बनने की आकांक्षा कर सकते थे। | महायान या "महान वाहन" बुद्ध के बुद्धत्व और बुद्ध की मूर्ति की पूजा तथा बोधिसत्व को बुद्ध प्रकृति का प्रतीक मानते हैं। | महायान विचारधारा का केंद्र बोधिसत्व का विचार है, जो बुद्ध बनना चाहता है। गैर-महायान बौद्ध धर्म में प्रमुख विचार के विपरीत, जो इनके प्रबोधन (बोधी), या ज्ञानोदय से प्रथम बुद्ध को बोधिसत्व के पद तक सीमित करता है, महायान कहता है कि कोई भी ज्ञान/ प्रबोधन प्राप्त करने की आकांक्षा रख सकता है और जिससे वह बोधिसत्व बन जाता है। बोधिसत्व की अवधारणा बौद्ध धर्म के महायान संप्रदाय के तहत विकसित की गई है। |

**Q.5) प्रसिद्ध सुल्तानगंज बुद्ध, भारतीय मूर्तिकला के निम्नलिखित में से किस स्कूल से संबंधित है?**

a) मथुरा स्कूल
b) गांधार स्कूल
c) अमरावती स्कूल
d) सारनाथ स्कूल

**Q.5) Solution (d)**

- मूर्तिकला के सारनाथ स्कूल का एक उल्लेखनीय उदाहरण सुल्तानगंज बुद्ध (बिहार में भागलपुर के पास) है।
- सारनाथ में बुद्ध की छवियों में दोनों कंधों को कवर करने वाली सादे पारदर्शी पर्दे हैं। सिर के चारों ओर प्रभामंडल में बहुत कम अलंकरण है।

**Q.6) भारत के मध्यकालीन इतिहास के संदर्भ में, शब्द 'जरीबाना' और 'मुहासिलाना' निम्नलिखित में से किसके लिए है?**

a) शेरशाह सूरी के प्रशासन में किसानों द्वारा भुगतान किए गए उपकर।
b) मुगलों द्वारा सूफी संतों को दी गई अनुदान भूमि।
c) मुगल काल के दौरान मौजूद दासों के प्रकार।
d) अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल के दौरान व्यापारियों द्वारा किया गया सीमा शुल्क भुगतान।

**Q.6) Solution (a)**

- शेर शाह ने पहली बार फसल दरों (रय) की अनुसूची प्रस्तुत की। उन्होंने ज़बती-ए-हर-साल (भूमि मूल्यांकन प्रत्येक वर्ष) को अपनाकर भूमि राजस्व प्रणाली में सुधार किया तथा सभी खेती योग्य भूमि को तीन प्रमुखों (अच्छी, मध्यम, बुरी) में वर्गीकृत किया।
- राज्य के हिस्से का निर्धारण करने के लिए आमिलों ने खेती के तहत भूमि की माप का उपयोग किया। राज्य की हिस्सेदारी औसत उपज का एक तिहाई थी और इसका भुगतान नकद या फसल में किया गया था।
- किसानों को एक पट्टा (शीर्षक विलेख) और एक क़बुलियत (समझौते का विलेख) दिया गया, जिसने किसान अधिकारों और करों को निर्धारित किया।
- भू-राजस्व के अलावा, कृषकों को कुछ अतिरिक्त उपकरों का भुगतान भी करना पड़ता था, जैसे कि जरीबाना या 'सर्वेक्षक शुल्क' और मुहासिलाना या 'कर संग्रह शुल्क' जो क्रमशः 2.5% और 5 प्रतिशत भूमि राजस्व की दर से थे।

**Q.7) विजयनगर साम्राज्य की 'अमर-नायक' प्रणाली के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?**

1. नायक सेना के कमांडर थे जिन्हें शासन करने के लिए क्षेत्र दिए गए थे।
2. नायक अपने अमरम में कृषि गतिविधियों के विस्तार के लिए उत्तरदायी थे।
3. नायक को केवल किसानों से कर एकत्र करने का अधिकार था।

**नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:**

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

**Q.7) Solution (a)**

| कथन 1 | कथन 2 | कथन 3 |
|---|---|---|
| सत्य | सत्य | असत्य |
| विजयनगर प्रशासन की महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक अमर-नायक प्रणाली थी। सेना के शीर्ष-ग्रेड अधिकारियों को नायक या पलायगार या पोलिगार के रूप में जाना जाता था। दिलचस्प बात यह है कि इन अधिकारियों को उनकी सेवाओं के बदले जमीन (अमरम) दी गई थी, जबकि सैनिकों को आमतौर पर नकद में भुगतान किया जाता था। | नायक अपने अमरम (क्षेत्र) में कृषि गतिविधियों के विस्तार के लिए उत्तरदायी थे। उसने अपने क्षेत्र में कर एकत्र किया और इस आय के साथ अपनी सेना, घोड़ों, हाथियों और युद्ध के हथियारों को बनाए रखा जो उसे राय या विजयनगर शासक को आपूर्ति करना था। | अमर-नायक को क्षेत्र में किसानों, कारीगरों और व्यापारियों से कर और अन्य बकाया राशि एकत्र करने की अनुमति थी। कुछ राजस्व का उपयोग मंदिरों और सिंचाई कार्यों के रखरखाव के लिए भी किया जाता था। नायक किलों के सेनापति भी थे। |

**Q.8) निम्नलिखित में से किस गुफा में, नटराज की मूर्ति, सप्तमातृकों के पूर्ण-आकार के बड़े चित्रण से घिरी हुई पाई गई?**

a) एहोल की गुफाएँ
b) गुंटापल्ली की गुफाएँ
c) पित्तलखोरा गुफाएँ
d) बादामी की गुफाएँ

**Q.8) Solution (a)**

- सप्तमातृक हिंदू धर्म में पूजित सात महिला देवताओं का एक समूह है जो अपने संबंधित देवताओं की ऊर्जा को व्यक्त करती हैं।
- ऐहोल (कर्नाटक) में रावण फाड़ी गुफा में सबसे महत्वपूर्ण मूर्तियों में से एक नटराज की है, जो सप्तमातृकों के पूर्ण-आकार के बड़े चित्रण से घिरी है।
- सप्तमातृक: शिव के बाएं तीन और उनके दाहिने ओर चार हैं। चित्र सुंदर, पतले शरीर वाले होते हैं, लंबे, अंडाकार चेहरे बेहद ऊंचे बेलनाकार मुकुट सबसे ऊपर होते हैं तथा छोटे धारीदार धोती पहने हुए दर्शायी जाती हैं, जो सुसज्जित धारियों से चिह्नित होती हैं।

**Q.9) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:**

| रंगमंच का रूप | राज्य |
|---|---|
| 1. स्वांग (Swang) | बिहार |
| 2. भाओना (Bhaona) | असम |
| 3. भवाई | मध्य प्रदेश |

**ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से मेल खाती है?**

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 1 और 3
d) केवल 2 और 3

**Q.9) Solution (c)**

| युग्म 1 | युग्म 2 | युग्म 3 |
|---|---|---|
| **असत्य** | **सत्य** | **असत्य** |
| स्वांग पंजाब और हरियाणा के क्षेत्र में मनोरंजन का एक और लोकप्रिय स्रोत है। वे मुख्य रूप से संगीत नाटक हैं, जिसमें छंद के माध्यम से गाया जाता है, साथ में इकतारा, हारमोनियम, सारंगी, ढोलक और खरताल का संगीत होता है। | भाओना असम, खासकर माजुली द्वीप का एक लोक रंगमंच है। विचार मनोरंजन और नाटक के माध्यम से लोगों को धार्मिक और नैतिक संदेश फैलाना है। यह अंकिया नाट की प्रस्तुति है और वैष्णव विषय सामान्य हैं। सूत्रधार (कथावाचक) नाटक का वर्णन करता है और पवित्र ग्रंथों से छंद गाता है। गीत और संगीत भी इसका एक हिस्सा हैं। | भवाई गुजरात और राजस्थान का एक लोकप्रिय लोक रंगमंच है, जो मुख्य रूप से कच्छ और काठियावाड़ के क्षेत्रों में होता है। इस रूप में छोटे नाटकों की एक श्रृंखला का वर्णन करने के लिए नृत्य का एक व्यापक उपयोग शामिल है, जिसे वैश या स्वंग के रूप में जाना जाता है, प्रत्येक अपने स्वयं के कथानक के साथ होते हैं। नाटक का विषय आम तौर पर |

रोमांटिक होता है। यह नाटक एक अर्ध-शास्त्रीय संगीत के साथ होता है, जिसे एक अलग लोक शैली में खेला जाता है, जैसे कि भुंगला, झांझा और तबला। सूत्रधार को भवाई थिएटर में नायक के रूप में जाना जाता है।

**Q.10) निम्नलिखित में से कौन, भारत की यूनेस्को सूची में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत में शामिल हैं?**

1. कालबेलिया
2. संकीर्तन
3. यक्षगान
4. कथकली
5. नवरोज उत्सव

**नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:**

a) केवल 1, 3, और 4
b) केवल 1, 2 और 5
c) केवल 2, 4 और 5
d) केवल 1, 2, 3 और 5

**Q.10) Solution (b)**

**यूनेस्को सूची की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत**

- सूची उन अमूर्त विरासत तत्वों से बनी है जो सांस्कृतिक विरासत की विविधता को प्रदर्शित करने में मदद करते हैं और इसके महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाते हैं।
- यह सूची 2008 में स्थापित की गई थी, जब अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए कन्वेंशन प्रभावी हुआ था।
- यूनेस्को ने अपने अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के बैनर तले तीन सूचियों को बनाए रखा है:
    - तत्काल सुरक्षा की आवश्यकता में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची।
    - मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची।
    - अच्छे सुरक्षा अभ्यासों का रजिस्टर।

**भारत की यूनेस्को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत**

| क्रम सं | अमूर्त सांस्कृतिक विरासत | सम्मिलन वर्ष |
|---|---|---|

| | | |
|---|---|---|
| 1 | वैदिक जप की परंपरा | 2008 |
| 2 | रामलीला, रामायण का पारंपरिक प्रदर्शन | 2008 |
| 3 | कुटियाट्टम, संस्कृत थिएटर | 2008 |
| 4 | रम्मन, गढ़वाल हिमालय का धार्मिक त्योहार और अनुष्ठान थियेटर | 2009 |
| 5 | मुदियेट्टू, आनुष्ठानि थिएटर और केरल का नृत्य नाटक | 2010 |
| 6 | कालबेलिया लोक गीत और राजस्थान के नृत्य | 2010 |
| 7 | छऊ नृत्य | 2010 |
| 8 | लद्दाख का बौद्ध जप: ट्रांस हिमालयन लद्दाख क्षेत्र, जम्मू और कश्मीर: भारत में पवित्र बौद्ध ग्रंथों का पाठ | 2012 |
| 9 | संकीर्तन, अनुष्ठानिक गायन, ढोलक वादन और नृत्य, मणिपुर | 2013 |
| 10 | जंडियाला गुरु, पंजाब, भारत के ठठेरों के बीच बर्तन बनाने के पारंपरिक पीतल और तांबे के शिल्प | 2014 |
| 11 | योग | 2016 |
| 12 | नवरोज उत्सव | 2016 |
| 13 | कुंभ मेला | 2017 |

**Q.11) चित्रकला की कोटा, बूंदी और झालावाड़ शैली, निम्नलिखित में से किस स्कूल की चित्रकला है?**

a) मेवाड़ स्कूल
b) मारवाड़ स्कूल
c) हाडोती स्कूल
d) धुंदर स्कूल

**Q.11) Solution (c)**

**राजस्थान में चित्रकला के स्कूल:**

- सोलहवीं शताब्दी के पूर्ववर्ती दशकों में, कला के राजपूत स्कूलों ने विशेष शैलियों का विस्तार करना आरंभ कर दिया, जिसमें आदिवासी और साथ ही, दूरस्थ क्षेत्रों की विशेष शैलियों को शामिल किया गया।
- राजस्थानी चित्रकला में 4 प्रमुख स्कूल (मेवाड़, मारवाड़, हाड़ोती और धुंदर) शामिल हैं, जिनके भीतर कई कल्पनात्मक शैली हैं, जो इन कलाकारों का उपयोग करने वाली विभिन्न रियासतों को रेखांकित कर सकते हैं।

| स्कूल | शैलियाँ | विशेषताएं |
|---|---|---|

| | | |
|---|---|---|
| मेवाड़ स्कूल | नाथद्वारा, चावंड, उदयपुर, सावर और देवगढ़ चित्रकला की शैलियाँ | • सरल ज्वलंत रंग और प्रत्यक्ष मार्मिक अपील द्वारा प्रतिष्ठित। |
| मारवाड़ स्कूल | किशनगढ़, बीकानेर, जोधपुर, पाली, नागौर और घनेराव शैली। | • मुग़ल प्रभाव और कुलीनों को दरबार में और घोड़ों के दृश्यों को अंकित किया गया<br>• त्योहारों, चित्रों, हाथी युद्ध, शिकार अभियान और समारोहों को आम तौर पर दर्शाया जाता है।<br>• विषयों में भगवान कृष्ण के जीवन से एकत्रित दृश्य भी शामिल हैं। |
| हाड़ोती स्कूल | कोटा, बूंदी और झालावाड़ शैली | • राव चत्तर शाल (उन्हें शासक, शाहजहाँ द्वारा दिल्ली का राज्यपाल बनाया गया था) के अधीन थी।<br>• हाड़ोती क्षेत्र कला का खजाना था। हाड़ोती चित्रों को राजपूत शैली में चित्रों की सबसे अधिक श्रेष्ठता के साथ देखा जाता है। |
| धूंदर स्कूल | अंबर, जयपुर, शेखावाटी और उनियारा शैली | • अपने कुलीन लोक चित्रों के लिए बहुत विख्यात थी।<br>• चित्रकला उत्कृष्ट रचनाएं हैं तथा बड़ी आंखों, गोल चेहरे, नुकीली नाक और लंबी गर्दन वाली भव्य महिलाओं को चित्रित करती हैं। |

**Q.12) निम्नलिखित संगठनों को उनके गठन के अनुसार, कालानुक्रमिक रूप से व्यवस्थित करें।**

1. इंडियन लीग
2. बंगभाषा प्रकाशिका सभा
3. पूना सार्वजनिक सभा
4. ईस्ट इंडिया एसोसिएशन

**नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:**

a) 2 - 4 - 1 - 3
b) 2 - 4 - 3 - 1
c) 4 - 2 - 1 - 3
d) 4 - 2 - 3 - 1

**Q.12) Solution (b)**

- 1836: बंगभाषा प्रकाशिका सभा, 1836 में राजा राममोहुन रॉय के सहयोगियों द्वारा सरकार की नीति पर चर्चा करने तथा याचिकाओं और ज्ञापनों के माध्यम से निवारण करने के उद्देश्य से गठित एक राजनीतिक संघ थी।
- 1866: दादाभाई नौरोजी द्वारा लंदन में 1866 में ईस्ट इंडियन एसोसिएशन का आयोजन भारतीय मुद्दों पर चर्चा करने और भारतीय कल्याण को बढ़ावा देने के लिए ब्रिटिश आम जनों को प्रभावित करने के लिए किया गया था।
- 1870: सरकार और लोगों के बीच सेतु के रूप में सेवा के उद्देश्य से पूना में एम जी रानाडे, गणेश वासुदेव जोशी और एस एच चिपलूनकर द्वारा पूना सार्वजनिक सभा का गठन किया गया।

- 1875: इंडियन लीग की स्थापना सिसिर कुमार घोष ने "लोगों में राष्ट्रीयता की भावना को उत्तेजित करने" और राजनीतिक शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से की थी।
- इसलिए सही क्रम बंगभाषा प्रकाशिका सभा - ईस्ट इंडियन एसोसिएशन - पूना सर्वजन सभा - इंडियन लीग है।

**Q.13) उन्नीसवीं सदी के अंत तक, भारतीय निर्यात में मुख्य रूप से शामिल थे**

1. कच्चा कपास
2. जूट और रेशम
3. तिलहन
4. गेहूँ
5. नील

**नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:**

a) केवल 1, 2 और 5
b) केवल 1, 2, 4 और 5
c) केवल 1, 2 और 3
d) 1, 2, 3, 4 और 5

**Q.13) Solution (d)**

- तैयार माल निर्यात करने के बजाय, भारत को कच्चे कपास और कच्चे रेशम जैसे कच्चे माल का निर्यात करने के लिए मजबूर किया गया था, जिसकी ब्रिटिश उद्योगों को तत्काल आवश्यकता थी, या भारत के खाद्यान्न, नील और चाय जैसे वृक्षारोपण उत्पादों की, जिनकी ब्रिटेन में कम आपूर्ति थी।
- 1856 में, भारत ने £ 4,300,000 मूल्य की कच्ची कपास का निर्यात किया, जिसमे केवल £ 810,000 मूल्य की कपास उत्पादित थी, £ 2,900,000 मूल्य का खाद्यान्न, £ 1,730,000 की नील और £ 770,000 मूल्य की कच्ची रेशम का निर्यात किया।
- उन्नीसवीं सदी के अंत तक, भारतीय निर्यात में मुख्य रूप से कच्चे कपास, जूट और रेशम, तिलहन, गेहूं, चमड़े की खाल, नील और चाय शामिल थी।
- 19 वीं शताब्दी में ब्रिटिश नीतियों ने कपास, जूट, मूंगफली, तिलहन, गन्ना, तम्बाकू आदि वाणिज्यिक फसलों की खेती को प्रोत्साहित किया, जो कृषि के व्यावसायीकरण की ओर अग्रसर खाद्यान्न की तुलना में अधिक पारिश्रमिक-संबंधी थे।

**Q.14) निम्नलिखित में से कौन 'श्रीमद भगवद गीता रहस्य' और 'वेदों० का आर्कटिक गृह' पुस्तकों के लेखक थे?**

a) अरबिंदो घोष
b) स्वामी दयानंद सरस्वती
c) बाल गंगाधर तिलक
d) एनी बेसेंट

**Q.14) Solution (c)**

- बाल गंगाधर तिलक एक भारतीय राष्ट्रवादी और एक स्वतंत्रता कार्यकर्ता थे जिनका जन्म 22 जुलाई, 1856 को दक्षिण-पश्चिमी महाराष्ट्र के एक छोटे से तटीय शहर रत्नागिरी में हुआ था। ब्रिटिश औपनिवेशिक अधिकारियों ने उन्हें "भारतीय अशांति का जनक" कहा।
- तिलक ने भारतीय छात्रों के बीच राष्ट्रवादी शिक्षा को प्रेरित करने के उद्देश्य से कॉलेज के सहपाठी, विष्णु शास्त्री चिपलूनकर और गोपाल गणेश आगरकर के साथ डेक्कन एजुकेशनल सोसाइटी की शुरुआत की।

- उनकी शिक्षण गतिविधियों के समानांतर, तिलक ने दो समाचार पत्रों मराठी में 'केसरी' और अंग्रेजी में 'मराठा' की स्थापना की।
- गंगाधर तिलक 1890 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गए। वह कांग्रेस के चरमपंथी गुट का हिस्सा थे तथा बहिष्कार और स्वदेशी आंदोलनों के समर्थक थे।
- वह एनी बेसेंट के साथ अखिल भारतीय होम रूल लीग के संस्थापकों में से एक थे।
- 1903 में, उन्होंने 'वेदों का आर्कटिक गृह' पुस्तक लिखी। इसमें, उन्होंने तर्क दिया कि वेद केवल आर्कटिक में ही रचे जा सकते थे, और आर्यन लोग उन्हें पिछले हिमयुग की शुरुआत के बाद दक्षिण में ले आए। उन्होंने वेदों के सटीक समय को निर्धारित करने के लिए एक नया तरीका प्रस्तावित किया।
- तिलक ने मांडले की जेल में "श्रीमद्भगवद् गीता भाष्य" - भगवद्गीता में 'कर्म योग' का विश्लेषण लिखा, जिसे वेदों और उपनिषदों का एक उपहार माना जाता है।
- उन्हें "लोकमान्य" की उपाधि से सम्मानित किया गया, जिसका अर्थ "लोगों द्वारा स्वीकार किया गया (उनके नेता के रूप में)" है। महात्मा गांधी ने उन्हें "आधुनिक भारत का निर्माता" कहा। तिलक स्वराज के पहले और सबसे मजबूत अधिवक्ताओं में से एक थे।
- उन्हें मराठी में उनके उद्धरण के लिए जाना जाता है: "स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मै इसे लेकर रहूँगा"।

**Q.15) निम्नलिखित में से कौन सी घटना सबसे पहले घटित हुई थी?**

a) मुक्ति दिवस (Day of Deliverance)
b) राष्ट्रीय अपमान दिवस (National Humiliation Day)
c) एकता और एकजुटता दिवस (Day of Unity and Solidarity)
d) स्वतंत्रता दिवस

**Q.15) Solution (c)**

| | | |
|---|---|---|
| **एकता और एकजुटता दिवस** | 16 अक्टूबर 1905 | बंगाल विभाजन के बाद रवींद्रनाथ टैगोर ने मनाया। |
| **राष्ट्रीय अपमान दिवस** | 6 अप्रैल 1919 | रौलेट एक्ट , एक 'काले अधिनियम' के समय गांधी जी द्वारा पारित किया गया था। |
| **स्वतंत्रता दिवस** | 26 जनवरी 1930 | लाहौर अधिवेशन के बाद पूर्ण स्वराज का संकल्प। |
| **मुक्ति दिवस** | 22 दिसंबर 1939 | कांग्रेस विधायकों के इस्तीफा देने के बाद जिन्ना ने मुस्लिम लीग के नेतृत्व में पारित किया। |
| **प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस / महान कलकत्ता हत्याएं** | 16 अगस्त 1946 | मुस्लिम लीग द्वारा मुस्लिम शक्ति प्रदर्शन के लिए कैबिनेट मिशन के तहत अलग पाकिस्तान की मांग को नकार दिए जाने पर मनाया गया था। |

**Q.16) वह एक महान परोपकारी व्यक्ति थे; उन्होंने ट्रिप्लिकेन, नुंगम्बक्कम और नेल्लोर में आयुर्वेदिक अस्पताल आरंभ किए; उन्हें समाज के लिए उनकी सेवा हेतु एनी बेसेंट द्वारा 'धर्ममूर्ति' और ब्रिटिश सरकार द्वारा 'राय बहादुर' की उपाधि से सम्मानित किया गया था। वह थे**

a) वीरसलिंगम पंतुलु
b) कलवला कुन्नन चेट्टी

c) रेट्टिमिलाई श्रीनिवासन
d) सी.पी. रामास्वामी अय्यर

**Q.16) Solution (b)**

- इंडिया पोस्ट ने 24 अगस्त 2019 को कलवला कुन्नान चेट्टी पर एक स्मारक डाक टिकट जारी किया है। कलवला कुन्नन चेट्टी एक महान परोपकारी व्यक्ति थे। उन्होंने समाज के उत्थान के लिए खुद को समर्पित कर दिया। उनका जन्म कलवला परिवार में वर्ष 1869 में हुआ था।
- एनी बेसेंट ने मरणोपरांत श्री कुन्नान चेट्टी को 'धर्ममूर्ति' की उपाधि से सम्मानित किया। ब्रिटिश सरकार द्वारा समाज में उनकी सेवा के लिए "राय बहादुर" का प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया था।
- अपने जीवन काल के दौरान, उन्होंने तिरुवल्लूर और पेरम्बूर में दो स्कूलों की स्थापना की तथा एक संस्कृत महाविद्यालय, लड़कियों के लिए प्राथमिक विद्यालय, माध्यमिक विद्यालय चिन्टद्रिपेट में स्थापित किया और चेन्नई और उसके आसपास के कई स्कूलों को वित्तीय सहायता दी।
- उन्होंने ट्रिप्लिकेन, तुंगमबक्कम और नेल्लोर में आयुर्वेदिक अस्पताल आरंभ किए। आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में वयस्कों के लिए शाम के स्कूल आरंभ करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान था।

**Q.17) स्वतंत्रता संग्राम के संदर्भ में, 'दिल्ली चलो आंदोलन' निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?**

a) साइमन कमीशन के खिलाफ विरोध
b) सविनय अवज्ञा आंदोलन
c) व्यक्तिगत सत्याग्रह
d) भारत छोड़ो आंदोलन

**Q.17) Solution (c)**

- व्यक्तिगत सत्याग्रह: 1940 में, अगस्त प्रस्ताव के प्रतिउत्तर में, गांधीजी ने प्रत्येक क्षेत्र में कुछ चुने हुए व्यक्तियों द्वारा व्यक्तिगत आधार पर एक सीमित सत्याग्रह, अर्थात् व्यक्तिगत सत्याग्रह आरंभ करने का फैसला किया था।
- सत्याग्रही की मांग युद्ध-विरोधी घोषणा के माध्यम से युद्ध के खिलाफ बोलने की स्वतंत्रता थी। यदि सरकार ने सत्याग्रही को गिरफ्तार नहीं किया, तो वह न केवल इसे दोहराएंगे, बल्कि गांवों में ले जायेंगे और दिल्ली की ओर मार्च आरंभ करेंगे, इस तरह एक आंदोलन को तेज करेंगे जिसे "दिल्ली चलो आंदोलन" के रूप में जाना जाता है।
- विनोबा भावे पहले सत्याग्रह और नेहरू दूसरे थे।

**Q.18) आधुनिक इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित प्रस्तावों पर विचार करें:**

1. मौलिक अधिकार
2. राष्ट्रीय शिक्षा परिषद
3. राष्ट्रीय आर्थिक कार्यक्रम

**निम्नलिखित में से कौन सा संकल्प 1931 में कराची में आयोजित कांग्रेस के एक विशेष सत्र में अपनाया गया था?**

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2 और 3
c) केवल 1
d) केवल 1 और 3

**Q.18) Solution (d)**

- मार्च 1931 में, कांग्रेस का एक विशेष सत्र कराची में (सरदार पटेल की अध्यक्षता में) गांधी-इरविन समझौते का समर्थन करने के लिए आयोजित किया गया था।

**कराची में कांग्रेस का संकल्प:**

1. राजनीतिक हिंसा से स्वयं को अलग करने और उसे अस्वीकृत करते हुए, कांग्रेस ने तीनों शहीदों की 'बहादुरी' और 'बलिदान' की प्रशंसा की।
2. दिल्ली संधि या गांधी-इरविन संधि का समर्थन किया गया।
3. पूर्ण स्वराज का लक्ष्य दोहराया गया।
4. दो संकल्पों को अपनाया गया- एक मौलिक अधिकारों पर और दूसरा राष्ट्रीय आर्थिक कार्यक्रम पर, जिसने सत्र को विशेष रूप से यादगार बना दिया।

**मौलिक अधिकारों पर संकल्प की गारंटी -**

- नि: शुल्क भाषण और मुक्त प्रेस, संघों का गठन करने का अधिकार, इकट्ठा करने का अधिकार
- सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार, जाति, पंथ और लिंग के आधार पर बिना विभेद किये समान कानूनी अधिकार
- धार्मिक मामलों में राज्य की निष्पक्षता
- मुफ्त और अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा
- संस्कृति, भाषा, अल्पसंख्यकों और भाषाई समूहों की सुरक्षा

**राष्ट्रीय आर्थिक कार्यक्रम पर संकल्प शामिल -**

- भू-स्वामियों और किसानों के मामले में लगान और राजस्व में पर्याप्त कमी
- कृषि ऋणग्रस्तता से राहत के लिए गैर-आर्थिक जोत के लिए लगान से छूट
- काम की बेहतर स्थितियाँ जिसमें एक जीवित रहने योग्य मजदूरी, काम के सीमित घंटे और औद्योगिक क्षेत्र में महिला श्रमिकों की सुरक्षा शामिल था
- मजदूरों और किसानों का संघ बनाने का अधिकार
- प्रमुख उद्योगों, खानों और परिवहन के साधनों का राज्य स्वामित्व और नियंत्रण

यह पहली बार था जब कांग्रेस ने कहा कि स्वराज जनता के लिए क्या अर्थ होगा- "जनता के शोषण को समाप्त करने हेतु, राजनीतिक स्वतंत्रता में लाखों भूखे रहने वालों के लिए आर्थिक स्वतंत्रता शामिल होनी चाहिए।"

कराची संकल्प बाद के वर्षों में कांग्रेस का मूल राजनीतिक और आर्थिक कार्यक्रम बना रहना था।

राष्ट्रीय शिक्षा परिषद बंगाल में भारतीय राष्ट्रवादियों द्वारा स्थापित एक संगठन था। 1906 में, आईएनसी के कलकत्ता सत्र (दादाभाई नौरोजी की अध्यक्षता में), स्वराज, स्वदेशी, बहिष्कार और राष्ट्रीय शिक्षा पर चार प्रस्ताव पारित किए गए थे। इसलिए कथन 2 गलत है।

**Q.19) भारत सरकार अधिनियम, 1935 की निम्नलिखित में से कौन-सी / से प्रमुख विशेषताएं हैं?**

1. इसने केंद्र में द्वैधशासन (dyarchy) को अपनाने के लिए प्रावधान किया।
2. इसने वंचित वर्गों और महिलाओं के लिए पृथक निर्वाचक मंडल का प्रावधान प्रदान किया।
3. इसने भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना के लिए प्रावधान प्रदान किया।

**नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:**

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 1 और 3

d) 1, 2 और 3

**Q.19) Solution (d)**

- भारत सरकार अधिनियम, 1935 भारत में पूरी तरह से उत्तरदायी सरकार की दिशा में एक मील का पत्थर साबित किया। यह एक लंबा और विस्तृत दस्तावेज था जिसमें 321 खंड और 10 अनुसूचियां थीं।

**अधिनियम की विशेषताएं:**

1. इसने इकाइयों के रूप में प्रांतों और रियासतों को मिलाकर एक अखिल भारतीय महासंघ की स्थापना के लिए प्रावधान प्रदान किया। अधिनियम ने केंद्र और इकाइयों के बीच शक्तियों को तीन सूचियों के संदर्भ में विभाजित किया- संघीय सूची (केंद्र के लिए, 59 वस्तुओं के साथ), प्रांतीय सूची (प्रांतों के लिए, 54 वस्तुओं के साथ) और समवर्ती सूची (दोनों के लिए, 36 वस्तुओं के साथ)। वायसराय को अवशेष शक्तियां दी गईं। हालाँकि, संघ कभी अस्तित्व में नहीं आया क्योंकि रियासतें इसमें शामिल नहीं हुईं।
2. इसने प्रांतों में द्वैधशासन को समाप्त कर दिया तथा इसके स्थान पर 'प्रांतीय स्वायत्तता' की शुरुआत की। प्रांतों को उनके परिभाषित क्षेत्रों में प्रशासन की स्वायत्त इकाइयों के रूप में कार्य करने की अनुमति थी। इसके अलावा, अधिनियम ने प्रांतों में उत्तरदायी सरकारों को पेश किया, अर्थात, गवर्नर को प्रांतीय विधायिका के प्रति उत्तरदायी मंत्रियों की सलाह के साथ कार्य करने की आवश्यकता थी। यह 1937 में लागू हुआ और 1939 में समाप्त कर दिया गया।
3. इसने केंद्र में द्वैधशासन को अपनाने के लिए प्रावधान किया। नतीजतन, संघीय विषयों को आरक्षित विषयों और स्थानांतरित विषयों में विभाजित किया गया था। हालाँकि, अधिनियम का यह प्रावधान लागू नहीं हुआ।
4. इसने ग्यारह प्रांतों में से छह में द्विसदनीयता का परिचय दिया। इस प्रकार, बंगाल, बॉम्बे, मद्रास, बिहार, असम और संयुक्त प्रांत की विधानसभाओं को एक विधान परिषद (उच्च सदन) और एक विधान सभा (निम्न सदन) से युक्त द्विसदनीय बनाया गया। हालांकि, उन पर कई प्रतिबंध लगाए गए थे।
5. इसने वंचित वर्गों (अनुसूचित जातियों), महिलाओं और श्रमिकों (श्रमिकों) के लिए पृथक निर्वाचक मंडल प्रदान करके सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांत को आगे बढ़ाया।
6. इसने 1858 के भारत सरकार अधिनियम द्वारा स्थापित भारत की परिषद को समाप्त कर दिया। भारत के राज्य सचिव को सलाहकारों की एक टीम प्रदान की गई।
7. इसने मताधिकार का विस्तार किया। कुल आबादी के लगभग 10 फीसदी लोगों को मतदान का अधिकार मिला।
8. इसने देश की मुद्रा और ऋण को नियंत्रित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना का प्रावधान किया।
9. इसने न केवल एक संघीय लोक सेवा आयोग की स्थापना की बल्कि दो या दो अन्य प्रांतों के लिए एक प्रांतीय लोक सेवा आयोग और संयुक्त लोक सेवा आयोग की स्थापना की।
10. इसमें एक संघीय न्यायालय की स्थापना के लिए प्रावधान प्रदान किया गया था, जिसे 1937 में स्थापित किया गया था।
11. सिंध और उड़ीसा के नए प्रांत बनाए गए।

**Q.20) निम्नलिखित घटनाओं पर विचार करें:**

1. भिलाई इस्पात संयंत्र की स्थापना पूर्व सोवियत संघ की सहायता से की गई।
2. गुट निरपेक्ष आंदोलन (NAM) का पहला शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया।
3. संविधान को 'प्रिवी पर्स' के उन्मूलन के लिए वैधानिक बाधाओं को हटाने के लिए संशोधित किया गया।
4. द्विभाषी राज्य बंबई को मराठी और गुजराती बोलने वालों के लिए अलग-अलग राज्यों में विभाजित किया गया।

**उपरोक्त घटनाओं में से कौन सा सही कालानुक्रमिक अनुक्रम है?**

a) 2 - 4 - 1 - 3
b) 1 - 4 - 2 - 3

c) 2 - 3 - 1 - 4
d) 1 - 3 - 2 - 4

**Q.20) Solution (b)**

- भिलाई इस्पात संयंत्र की स्थापना 1959 में पूर्व सोवियत संघ के सहयोग से की गई थी। छत्तीसगढ़ के पिछड़े ग्रामीण क्षेत्र में स्थित, इसे स्वतंत्रता के बाद आधुनिक भारत के विकास के एक महत्वपूर्ण संकेत के रूप में देखा जाने लगा।
- 1 अक्टूबर 1953 को आंध्र प्रदेश के निर्माण के बाद, अन्य भाषाई समुदायों ने भी अपने अलग राज्यों की मांग की। एक राज्य पुनर्गठन आयोग की स्थापना की गई, जिसने 1956 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें जिले और प्रांतीय सीमाओं को क्रमशः असम, बंगाली, उड़िया, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और तेलुगु बोलने वालों के सीमित प्रांत बनाने की सिफारिश की गई थी। 1960 में, द्विभाषी राज्य बंबई मराठी और गुजराती बोलने वालों के लिए अलग-अलग राज्यों में विभाजित किया गया था।
- 1955 में इंडोनेशियाई शहर बांडुंग में आयोजित एफ्रो-एशियाई सम्मेलन, जिसे आमतौर पर बांडुंग सम्मेलन के रूप में जाना जाता है, ने नए स्वतंत्र एशियाई और अफ्रीकी देशों के साथ भारत के जुड़ाव को चिन्हित किया। बांडुंग सम्मेलन ने बाद में गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM) की स्थापना की। NAM का पहला शिखर सम्मेलन सितंबर 1961 में बेलग्रेड में आयोजित किया गया था। नेहरू NAM के सह-संस्थापक थे।
- 1971 के चुनाव में इंदिरा गांधी की भारी जीत के बाद, संविधान में 'प्रिवी पर्स' के उन्मूलन के लिए वैधानिक बाधाओं को हटाने के लिए संशोधन किया गया था। 26 वें संशोधन अधिनियम, 1971 ने रियासतों के पूर्व शासकों के प्रिवी पर्स और विशेषाधिकारों को समाप्त कर दिया।
- इसलिए विकल्प (ब) सही अनुक्रम है।

**Q.21) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

1. कोरोनोवायरस, इन्फ्लूएंजा जनित वायरस, इबोला, ज़ीका जैसे विषाणुओं में लिपिड आवरण (lipid envelop) नामक वसा की एक परत में इनके आनुवंशिक पदार्थ होते हैं।
2. साबुन में वसा जैसे पदार्थ होते हैं, जिन्हें एम्फीफाइल्स (amphiphiles) कहा जाता है जो वायरस झिल्ली में लिपिड के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं और वायरस के लिपिड आवरण को तोड़ते हैं।
3. रोटावायरस, पोलियोवायरस जैसे विषाणुओं में लिपिड आवरण नहीं होता है।

**ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?**

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

**Q.21) Solution (d)**

**साबुन से धोने से कोरोनावायरस से छुटकारा कैसे मिलता है?**

- कोरोनोवायरस, इन्फ्लूएंजा जनित वायरस, इबोला, ज़ीका जैसे विषाणुओं ने अपने आनुवंशिक पदार्थ को वसा की एक परत में लिपिड आवरण के रूप में संलग्न किया होता है।
- अणु (शीर्ष) के एक छोर से साबुन के अणुओं को पिन के आकार का किया जाता है जो पानी और वसा और प्रोटीन द्वारा पुन: आकर्षित होता है। अणु (पूंछ) का दूसरा भाग वसा से आकर्षित होता है और पानी द्वारा पुन: बाहर निकाल दिया जाता है। अणु का पूंछ वाला हिस्सा वायरस के आवरण में लिपिड के साथ प्रतिस्पर्धा करता है।

- चूंकि वायरस को एक साथ रखने वाले रासायनिक बंधन बहुत मजबूत नहीं होते हैं, इसलिए लंबी पूंछ वायरस के आवरण में प्रविष्ट हो जाती है तथा वायरस के लिपिड आवरण को तोड़ देती है।
- पूंछ भी बांड के साथ प्रतिस्पर्धा करती है जो आरएनए को बांधती है तथा लिपिड आवरण इस प्रकार वायरस को अपने घटकों में भंग कर देता है जो बाद में पानी से हटा दिए जाते हैं।

**क्या सभी वायरस में लिपिड परत होती है?**

- कुछ वायरस में लिपिड का आवरण नहीं होता है और उन्हें गैर-आवरण वाले वायरस कहा जाता है। रोटावायरस, जिससे गंभीर दस्त (diarrhoea) होता है, पोलियोवायरस, एडेनोवायरस, जो निमोनिया का कारण बनता है, इनमें लिपिड का आवरण नहीं होता है।
- साबुन अणु की पूंछ भी बंधन को बाधित करती है जो हाथ में गंदगी और गैर-आवरण वायरस को बांधती है।

**अलकोहल आधारित हैंड सैनिटाइज़र कोरोनोवायरस से छुटकारा पाने में कैसे मदद करते हैं?**

- साबुन की तरह, हैंड सैनिटाइज़र में मौजूद अल्कोहल लिपिड के आवरण को भंग कर देता है, जिससे वायरस निष्क्रिय हो जाता है।
- साबुन के समान प्रभाव को प्राप्त करने के लिए अलकोहल की बहुत अधिक मात्रा की आवश्यकता होती है। प्रभावी होने के लिए, sanitisers में कम से कम 60% अलकोहल होना चाहिए।

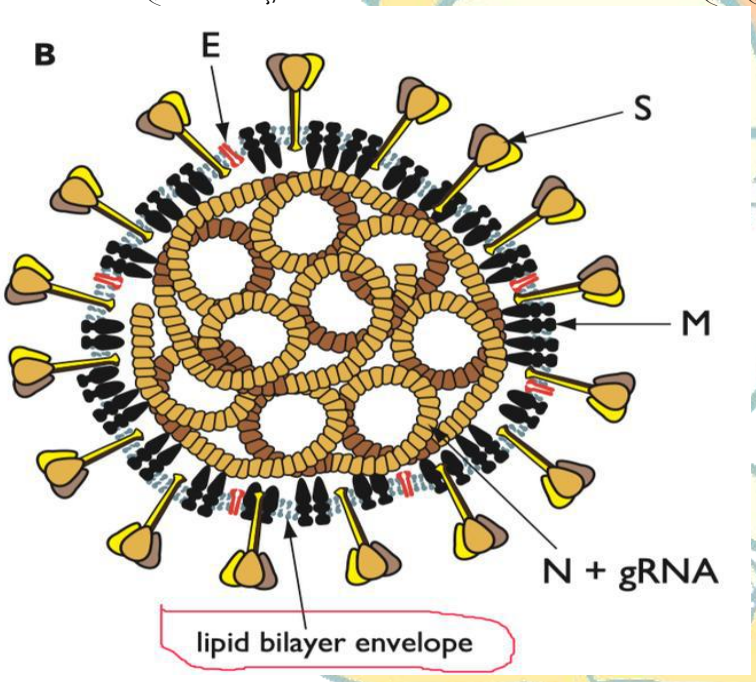


**Q.22) आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

1. इस अधिनियम के तहत, सरकार किसी भी पैकेज्ड उत्पाद की अधिकतम खुदरा मूल्य (MRP) तय कर सकती है, जिसे वह एक आवश्यक वस्तु घोषित करती है।
2. यदि केंद्र सरकार को लगता है कि किसी आवश्यक वस्तु की आपूर्ति को बनाए रखना या बढ़ाना आवश्यक है, तो वह उस वस्तु के उत्पादन, आपूर्ति, वितरण और बिक्री को विनियमित या प्रतिबंधित कर सकती है।

**ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही नहीं है / हैं?**

a) केवल 1
b) केवल 2

c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

**Q.22) Solution (d)**

- उपभोक्ता मामलों का विभाग 'आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (EC Act)' और, 'आवश्यक वस्तु की आपूर्ति की कालाबाज़ारी रोकने और आपूर्ति बनाए रखना अधिनियम, 1980 (PBMMSEC अधिनियम)' प्रशासित करता है।
- आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 में लागू किया गया था। तब से इसका उपयोग सरकार द्वारा वस्तुओं के उत्पादन, आपूर्ति और वितरण को विनियमित करने के लिए किया गया है, जो उचित मूल्य पर उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराने के लिए 'आवश्यक' घोषित करती है।
- इसके अतिरिक्त, सरकार किसी भी पैक किए गए उत्पाद की अधिकतम खुदरा कीमत (MRP) भी तय कर सकती है जिसे वह "आवश्यक वस्तु" घोषित करती है।
- 1955 के आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत, यदि केंद्र सरकार यह सोचती है कि किसी आवश्यक वस्तु की आपूर्ति बनाए रखना या बढ़ाना या उचित मूल्य पर उपलब्ध कराना आवश्यक है, तो वह उस वस्तु के उत्पादन, आपूर्ति, वितरण और बिक्री को विनियमित या प्रतिबंधित कर सकती है।
- इस अधिनियम की अनुसूची में सूचीबद्ध कुछ आवश्यक खाद्य पदार्थ खाद्य तेल और तिलहन, ड्रग्स, उर्वरक, पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पाद हैं।
- लेकिन केंद्र के पास इस सूची से सार्वजनिक हित में किसी भी वस्तु को जोड़ने या हटाने की शक्ति है, तथा ऐसा उसने कोरोनोवायरस प्रकोप के दौरान मास्क और हैंड सैनिटाइज़र के साथ किया है।
- आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मास्क और सैनिटाइज़र लाने से इन उत्पादों की उपलब्धता जनता के लिए उचित मूल्य पर बढ़ेगी।

**Q.23) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

1. समीक्षा याचिका (Review petition) को उसी पीठ को परिचालित किया जाना चाहिए, जिसने अधिनिर्णय दिया है।
2. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 145 के तहत एक उपचारात्मक याचिका (Curative petition) की गारंटी दी गयी है।

**ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?**

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

**Q.23) Solution (a)**

**समीक्षा याचिका (Review Petition)**

- भारत में, सर्वोच्च न्यायालय / उच्च न्यायालय के एक बाध्यकारी फैसले की समीक्षा याचिका में समीक्षा की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट के फैसलों से असहमत पक्षों द्वारा एक समीक्षा याचिका दायर की जा सकती है।
- भारत के संविधान के अनुच्छेद 137 और अनुच्छेद 145 के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार, भारत के सर्वोच्च न्यायालय को उसके द्वारा सुनाए गए अपने फैसले की समीक्षा करने की शक्ति है। सुप्रीम कोर्ट के नियमों के अनुसार, इस तरह की याचिका को निर्णय या आदेश की घोषणा के 30 दिनों के भीतर दायर किया जाना

चाहिए तथा उस याचिका को मौखिक दलीलों के बिना उसी पीठ को परिचालित किया जाना चाहिए, जिसने निर्णय दिया।

- इसके अलावा, अगर एक समीक्षा याचिका सुप्रीम कोर्ट द्वारा खारिज कर दी जाती है, तो यह याचिकाकर्ता द्वारा दायर एक उपचारात्मक याचिका पर विचार कर सकती है ताकि प्रक्रिया का दुरुपयोग रोका जा सके

**उपचारात्मक याचिका (Curative petition)**

- भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने Rupa Ashok Hurra vs. Ashok Hurra and Anr. (2002) के ऐतिहासिक मामले में उपचारात्मक याचिका की अवधारणा विकसित की। जहां एक प्रश्न उठाया गया था कि क्या समीक्षा याचिका खारिज होने के बाद सर्वोच्च न्यायालय के अंतिम आदेश / निर्णय के खिलाफ कोई पीड़ित व्यक्ति किसी राहत का हकदार है या नहीं।
- इस मामले में यह सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आयोजित किया गया था ताकि प्रक्रिया के दुरुपयोग को रोकने के साथ-साथ न्याय की विफलता को रोका जा सके, यह अपने निर्णयों पर पुनर्विचार कर सकती है। अदालत ने इस उद्देश्य के लिए एक शब्द 'क्यूरेटिव' तैयार किया है। याचिकाकर्ता को विशेष रूप से यह बताना आवश्यक है कि जिन आधारों का उल्लेख किया गया था, उन्हें पूर्व में दायर समीक्षा याचिका में लिया गया था और इसे संचलन द्वारा खारिज भी कर दिया गया था।
- एक उपचारात्मक याचिका को एक वरिष्ठ अधिवक्ता द्वारा प्रमाणित किया जाना आवश्यक है तथा फिर इसे तीन वरिष्ठतम न्यायाधीशों और उन न्यायाधीशों को परिचालित किया जाता है, जिन्होंने निर्णय सुनाया था। उपचारात्मक याचिका दायर करने की कोई समय सीमा नहीं है और इसकी गारंटी भारत के संविधान के अनुच्छेद 137 के तहत दी गई है।

**दया याचिका (Mercy petition)**

- भारतीय न्यायिक प्रणाली के संदर्भ में, दया याचिका अंतिम उपाय है। जब किसी व्यक्ति ने सभी प्रचलित कानूनों के साथ-साथ संवैधानिक उपचार के तहत उसके लिए उपलब्ध सभी उपायों को खो दिया है, तो वह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 72 के अधीन भारत के राष्ट्रपति या भारतीय संविधान के अनुच्छेद 161 के तहत राज्य के राज्यपाल के समक्ष दया याचिका दायर कर सकता है। तब उसकी याचिका पर दया का व्यवहार किया जाएगा न कि मामले की वैधता पर।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 72 के अनुसार, राष्ट्रपति को सर्वोच्च न्यायालय यानि भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सुनाई गई सजा को रद्द करने, राहत देने या हटाने का अधिकार है। हालाँकि, क्षमा देने की शक्ति विवेकाधीन नहीं है क्योंकि किसी भी निर्णय को मंत्रिपरिषद के परामर्श से पूरा किया जाता है।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 161 के अनुसार, राज्य के राज्यपाल के पास किसी भी अपराध के दोषी व्यक्ति की सजा कम करने, राहत देने या प्रकृति बदलने की शक्ति होगी।

**Q.24) निम्नलिखित में से कौन सा कथन, भारत में उपकर (Cess) के संबंध में सही नहीं है / हैं?**

1. यदि किसी विशेष वर्ष में एकत्रित उपकर बिना व्यय (unspent) के रह जाता है, तो इसे अन्य उद्देश्यों के लिए आवंटित किया जाएगा।
2. केंद्र सरकार को राज्य सरकार के साथ उपकर साझा करना चाहिए।
3. केवल अप्रत्यक्ष करों पर ही उपकर लगाया जा सकता है।

**नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:**

a) केवल 3
b) केवल 2 और 3
c) केवल 1
d) 1, 2 और 3

**Q.24) Solution (d)**

- COVID-19 के प्रकोप की पृष्ठभूमि में, श्रमिकों को राहत देने के लिए सरकार द्वारा कई उपाय किए जा रहे हैं। असंगठित निर्माण श्रमिकों को जो दैनिक मजदूरी पर अपनी आजीविका बनाए रखते हैं, का समर्थन करने के लिए, सभी राज्य सरकारों / संघ शासित प्रदेशों को श्रम कल्याण बोर्ड द्वारा BOCW उपकर अधिनियम के तहत एकत्रित कोष से DBT मोड के माध्यम से निर्माण श्रमिकों के खाते में धनराशि स्थानांतरित करने की सलाह दी गई है।

उपकर एक करदाता के आधार कर देयता के पर और उससे अधिक पर लगाए गए कर का एक रूप है।

- आमतौर पर राज्य या केंद्र सरकार विशिष्ट उद्देश्यों के लिए धन जुटाने के लिए एक उपकर अतिरिक्त रूप से लगाया जाता है। उदाहरण के लिए, सरकार प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा के वित्तपोषण के लिए अतिरिक्त राजस्व उत्पन्न करने के लिए एक शिक्षा उपकर लगाती है।
- उपकर सरकार के लिए राजस्व का एक स्थायी स्रोत नहीं है, और जब उद्देश्य पूरा हो जाता है तो इसे बंद कर दिया जाता है।
- **इसे अप्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष करों दोनों पर लगाया जा सकता है।**
- सरकार आपदा राहत जैसे उद्देश्यों के लिए उपकर लगा सकती है, नदियों की सफाई के लिए धन पैदा कर सकती है, उदाहरण के लिए, वर्ष 2018 में केरल में बाढ़ के बाद, राज्य सरकार ने जीएसटी पर 1% की दर से उपकर लगाया और ऐसा करने वाला पहला राज्य बन गया। ।
- उपकर आरंभ में भारतीय समेकित कोष में जा सकता है लेकिन इसका उपयोग उस उद्देश्य के लिए किया जाना चाहिए जिसके लिए इसे एकत्र किया गया था। यदि किसी विशेष वर्ष में एकत्र किया गया उपकर बिना व्यय के रह जाता है, तो इसे अन्य प्रयोजनों के लिए आवंटित नहीं किया जा सकता है। यह राशि अगले वर्ष के लिए चली जाती है और इसका उपयोग केवल उसी कारण से किया जा सकता है, जब इसकी आवश्यकता थी।
- केंद्र सरकार को कुछ अन्य करों के विपरीत, आंशिक रूप से या पूर्ण रूप से राज्य सरकार के साथ उपकर साझा करने की आवश्यकता नहीं है।

**भारत में उपकर के प्रकार**

- शिक्षा उपकर
- स्वास्थ्य उपकर
- स्वच्छ भारत उपकर
- कृषि कल्याण उपकर
- अवसंरचना उपकर

**Q.25) रेड स्नो (Red Snow) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

1. रेड स्नो क्लैमाइडोमोनास निवालिस (Chlamydomonas nivalis) के कारण हुई घटना है।
2. लाल शैवाल (Red algae), हिम के समग्र परावर्तक गुणों को कम करती है।

**ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?**

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

**Q.25) Solution (c)**

- वाटरमेलन स्नो (Watermelon snow,), जिसे हिम शैवाल, गुलाबी बर्फ, रेड स्नो या रक्त हिम भी कहा जाता है, क्लोरोफिल के अलावा द्वितीयक लाल कैरोटीनॉयड वर्णक (एस्ट्राथिन) से युक्त हरे शैवाल की एक प्रजाति क्लैमाइडोमोनास निवालिस के कारण होती है।
- ताजे- जलीय शैवाल की अधिकांश प्रजातियों के विपरीत, यह क्रायोफिलिक (शीत-प्रिय) होते है और ठंडे पानी में पनपता है।
- जितना अधिक शैवाल एक साथ पैक होता है, उतनी अधिक बर्फ लाल होती है। और यह जितनी अधिक गहरी होती है, उतनी ही ऊष्मा बर्फ में अवशोषित होती है। इसके बाद, बर्फ तेजी से पिघलती है।
- अध्ययन में कहा गया है कि पिघलाव उन सूक्ष्मजीवों के लिए अच्छा है, जिन्हें जीवित रहने और पनपने के लिए तरल पानी की जरूरत होती है, जो ग्लेशियरों के लिए बुरा है जो पहले से ही अन्य कारणों से असंख्य पिघल रहे हैं।
- ये शैवाल बर्फ के अल्बेडो को बदल देते हैं - जो प्रकाश की मात्रा या विकिरण को दर्शाता है जो बर्फ की सतह से प्रकाश को वापस प्रतिबिंबित करने में सक्षम करता है। अल्बेडो में परिवर्तन से ये अधिक पिघलने लगते हैं।
- चमकदार सफेद बर्फ सूरज की रोशनी को दर्शाती है, लेकिन जब यह लाल शैवाल एक क्षेत्र में फैलने लगता है, तो यह बर्फ के समग्र परावर्तक गुणों को कम कर देता है, अधिक ऊष्मा को अवशोषित करने लगता है, अतिरिक्त पिघलने को बढ़ाता है, और इससे अधिक शैवाल के विकास को भी बढ़ावा देता है।

**Q.26) भारत में निम्न में से, ओटर (otters) की किस प्रजाति को देखा जा सकता है?**

1. यूरेशियन ओटर (Eurasian otter)
2. छोटे पंजे वाले ओटर (Small-clawed otter)
3. मुलायम-आवरित ओटर (Smooth-coated otter)

**सही कूट का चयन करें:**

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) केवल 3
d) 1, 2 और 3

**Q.26) Solution (d)**

इन तीनों को भारत में देखा जा सकता है।

यूरेशियन ओटर को पश्चिमी घाट और चिलिका झील में देखा गया है।

**Q.27) निम्न में से कौन सा देश 'एजियन सागर' में नहीं खुलता है?**

1. तुर्की
2. यूनान
3. अल्बानिया
4. क्रोएशिया

**सही कूट का चयन करें:**

a) 1 और 2
b) 3 और 4
c) 1 और 3
d) 2 और 4

**Q.27) Solution (b)**

**Q.28) निम्न में से कौन सा पहला देश है, जिसने अपने संविधान में प्रकृति के अधिकारों को मान्यता दी है?**

a) भारत
b) बोलीविया
c) न्यूजीलैंड
d) इक्वेडोर

**Q.28) Solution (d)**

इक्वाडोर अपने संविधान में प्रकृति के अधिकारों को मान्यता देने वाला पहला देश है।

**Q.29) 'खारियासावर' (KhariaSavar) समुदाय मुख्य रूप से पाया जाता है**

a) उत्तर पूर्व भारत
b) मध्य भारत
c) दक्षिणी भारत
d) पश्चिमी भारत

**Q.29) Solution (b)**

खारियासावर समुदाय मध्य भारत का एक मूलवासी आदिवासी नृजातीय समूह है।

**Q.30) 'नोलम्बा वंश' (Nolamba dynasty) मुख्य रूप से फैला हुआ था**

a) महाराष्ट्र और गुजरात
b) आंध्र प्रदेश और कर्नाटक
c) राजस्थान
d) असम और मेघालय

**Q.30) Solution (b)**

नोलम्बा पल्लव राजाओं ने कर्नाटक में वर्तमान अनंतपुर जिले के दक्षिणी हिस्सों, कोलार और चित्रदुर्ग जिलों और चित्तूर जिले के दक्षिण-पश्चिमी हिस्सों पर शासन किया, तथा उनकी एक समृद्ध वास्तुशिल्प विरासत है।

राष्ट्रकूटों के शासनकाल (जिसका शासन गंगा से कन्याकुमारी तक फैला हुआ था) के दौरान 9 वीं शताब्दी के प्रारंभ में नोलंबा वंश के राजाओं का उत्थान हुआ, उनका पतन तब आरंभ हुआ जब 10 वीं शताब्दी के अंत में गंग वंश के राजा मरसिंह ने उन पर अधिकार कर लिया। ये नोलंबा कन्नड़ राजा थे तथा कई मंदिरों का निर्माण वास्तुशिल्प उत्कृष्टतापूर्वक किया था, जिन्हें आज भी कई हिंदू और जैन देवताओं की काले पत्थर की मूर्तियों में देखा जा सकता है।